Academic -Profile

नाम	डॉ0 (श्रीमती) मंशा देवी
पिता का नाम	स्व0. श्री केशव प्रसाद
माता का नाम	स्व0. श्री मती केवला देवी
जन्म तिथि	01.07.1961
पद	एसोसिएट प्रोफेसर (हिन्दी)
नियुक्ति तिथि	01.08.2001
राष्ट्रीयता	भारतीय
महाविद्यालय	सन्त विनोबा पी0जी कालेज, देवरिया
जाति	कोईरी , पिछड़ी जाति
स्थायी पता	**6,102/14** मोहददीपुर गोरखपुर (उ0 प्र0)
मो0नं0	9235767891, 9889021596

शैक्षिक विवरण:

परीक्षा	बोर्ड / विश्वविद्यालय	वर्ष	डिविजन	विषय	अभ्युक्ति (यदि कोई नही)
हाईस्कूल	यू0पी0 बोर्ड	1976	द्वितीय	हिन्दी, गृह विज्ञान, संस्कृत, अर्थशास्त्र, नागरिक शास्त्र	**59.6%**
इण्टरमिडिएट	यू0पी0 बोर्ड	**1978**	द्वितीय	हिन्दी, मनोविज्ञान, संस्कृत, अर्थशास्त्र, नागरिक शास्त्र	**53.%**

बी0ए0	बी0 एच0 यू0	1980	प्रथम	हिन्दी, संस्कृत, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व	62.85%
एम0ए0	बी0.एच.यू.	1982	प्रथम	हिन्दी	60.22%
पी.एच.डी	बी.एच.यू	1988	.	.	प्रगतिवादी कवियों की जीवन दृष्टि

लेख सं0		पत्रिका	सन्	पृष्ठ
1	धर्म एवं समन्वय	वर्षिक पत्रिका 'मेधा'	2004–2005	पृष्ठ संख्या 12–14
2	भारत की सांस्कृतिक एकता	भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका पंजी0 सं0 571/1988	2008–2010	पृष्ठ संख्या 5–7
3	रामचरित मानस में वर्णित नैतिक मूल्यों की वर्तमान सन्दर्भ में उपादेयता	भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका पंजी0 सं0 571/1988	ISSN 0974–0694 2008 जून	पृष्ठ संख्या 62–63
4	प्रगतिवाद कवियों की जीवन दृष्टि	भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका पंजी0सं0 571/1988	दिसम्बर 2008	पृष्ठ संख्या 96–99
5	प्रेमचन्द की कहानियों का सामाजिक यथार्थ	भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका पंजी0सं0 571/1988	जून 2009	पृष्ठ संख्या 111–114
6	प्रगतिवाद कवियों की प्रेम विषयक दृष्टि	शिक्षा कलश R.N.I.UPBIL/2009 28555	दिसम्बर 2009	पृष्ठ संख्या 78–82
7	हिन्दी भाषा अतीत से वर्तमान तक समस्या एवं सम्भावनाऐ	भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका पंजीकृत 571/1988	जून 2010	पृष्ठ संख्या 62–64
8	सामाजिक चेतना के प्रवर्तक : संतकबीर	शिक्षा कलश ISSNO. 9752579	जून वर्ष 2 अंक 2010	पृष्ठ संख्या 5–9
9	छायावादी कवि सुमित्रानन्दन	भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका	ISSNO. 974-0694	पृष्ठ संख्या 156–158

	पंत का प्रकृति	पंजी0सं0 571/1988	दिसम्बर 2010	
10	निराला के काव्य में सांस्कृतिक चेतना	भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका पंजीसं0. 571/1988	जून 2012	पृ0सं0 114–116
11	उच्च शिक्षा का भूमण्डलीकरण चुनौतियॉ तथा समस्याएं (पुस्तक लेखन)	उच्च शिक्षा के विविध आयाम **ISBN NO. 978-81910322-2-2**	जून 2010	पृ0सं0 109–112
12	डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर एवं बौद्ध धर्म दर्शन का शैक्षिक निहितार्थ	अम्बेडकर एक अध्ययन **ISBN NO. 978-9381797-46-4**	जून 2013	पृ0सं0 74–99
13	यादें जो शेष हैं..... संस्मरण (पुस्तक लेखन)	सुकृति 'डॉ0 भुवनेश्वरी दत्त मिश्र स्मृति ग्रन्थ''	**ISBN NO, 2014 978-93-81799-35-2**	पृ0सं0 44–45
14	सन्त विनोबा और उनका जीवन –दर्शन (पुस्तक लेखन)	सुकृति 'डॉ0 भुवनेश्वरी दत्त मिश्र स्मृति ग्रन्थ''	**ISBN NO, 2014 978-93-81799-35-2**	पृ0सं0 220–224
15	भक्ति के काव्जयी कवि तुलसीदास और वर्तमान युग	''मेधा दर्पण''	**2016- 2017**	पृ0सं0 18–19

पुस्तक लेखन–

क्र0सं0	शीर्षक	प्रकाशक	ISBN नम्बर
1	संस्मरण यादें जो शेष हैं।	डॉ0 भुवनेश्वरी दत्त मिश्र स्मृति–गन्थ प्रकाशन समिति सन्त विनोबा पी0जी0, कालेज देवरिया (उ0प्र0) 274001	978–93–81799–35–2
2	प्रगतिवाद कवियों की जीवन दृष्टि	**ISBN 978-81-910322-1-5** **2010**	प्रकाशक एकेडमिक बुक हाउस भोपाल

			(म0प्र0)

अभिविन्यास कार्यक्रम–

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी, गोरखपुर 14.02.2003 से 13.03.2003 तक।

पुनश्चर्या कार्यक्रम–

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी, गोरखपुर 22.09.2007 से 12.10.2007 तक।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी, गोरखपुर 07.02.2009 से 27.02.2009 तक।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी, गोरखपुर 29.09.2012 से 19.10.2012 तक।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी, गोरखपुर 17.09.2016 से 07.10.2016 तक।

पुस्तक लेखन–	**क्रम सं0**	**पृष्ठ सं0**
सन्त विनोबा और उनका जीवन–दर्शन		220–224

हिन्दी भाषा

भाषा मानव सभ्यता में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। यह अपने विचारों, चिंतनः आवश्यकताओं एवं भावों को शब्दों के माध्यम से व्यक्त करने का माध्यम है। जो एक सामाजिक जीवन जीने के लिए अतिआवश्यक है। राजा के माध्यम विद्यार्थियों से ही मानव ने सामाजिक जीवन की शुरुआत की इससे मानव के

हिन्दी विभाग की शैक्षणिक गतिविधियॉ ''शक्ति''

संत विनोबा पी जी कॉलेज देवरिया उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में स्थित देवरिया जनपद का एक प्रमुख **महाविद्यालय** है। हिंदी विभाग **महाविद्यालय** का एक महत्वपूर्ण विभाग है। जहां स्नातक व स्नातकोत्तर की कक्षाएं संचालित होती हैं, छात्र छात्राओं की संख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा विभाग है। हिंदी विभाग की गतिविधियां पूरे सत्र जुलाई से फरवरी कार्य दिवस और मार्च से मई तक परीक्षा समाप्ति और परीक्षाफल तक चलती हैं। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के **विद्यार्थियों** के शैक्षिक स्तर के मूल्यांकन हेतु हिंदी विभाग **द्वारा** त्रैमासिक टेस्ट रखा जाता है। जहां उनकी कमियों को बताना और अच्छे **विद्यार्थियो** को प्रोत्साहित किया जाता है, तथा कमजोर छात्रों को अलग से निदानात्मक शिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रत्येक महीने के दूसरे शनिवार को पाठ्यक्रम से संबंधित जो पढ़ाया गया होता है। उसमें दो पार्ट को वह स्वयं अच्छी प्रकार से तैयार कर उन्हें ही पढ़ाना होता है, अर्थात **विद्यार्थियों द्वारा** प्रस्तुत

करवाया जाता है। जिससे उनमें बोलने की क्षमता का विकास हो सके वर्ष में दो बार **विश्वविद्यालय** या **महाविद्यालय** की योग्यता प्रोफ़ेसर को आमंत्रित कर व्याख्यान कराया जाता है। सामान्य हिंदी तथा व्याकरण निबंध प्रतियोगिता सत्र में एक बार कराया जाता है।

15 अगस्त 26 जनवरी के अवसर पर विभागीय छात्रों को देश प्रेम से संबंधित सामाजिक समस्याओं के समाधान और जागरूकता से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

5 सितंबर शिक्षक दिवस के अवसर पर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के ऊपर व्याख्यान का आयोजन किया गया 7, 8 सितंबर 2017 को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें स्नातकोत्तर के **विद्यार्थियों द्वारा** पर्यावरण संकट एवं संरक्षण पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए संचालन डॉ राजेश मिश्र जी ने किया।

2 अक्टूबर 2017 को महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री की जयंती को विभाग **द्वारा** राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया गया। देश की स्वतंत्रता पर इनके योगदान **द्वारा** पर डॉ0 शैलेन्द्र कुमार राव **द्वारा** व्याख्यान हुआ।

19 नवंबर 2017 को निबंध भाषण प्रतियोगिता हिंदी भाषा समस्या और समाधान विषय का आयोजन हुआ, जिसमें 11 छात्र छात्राओं ने भाग लिया और अपनी प्रत्येक प्रतिभागिता दर्ज कराई। मुख्य अतिथि हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष श्री मकसूदन मिश्र जी **थे।** डॉ0 सुधांशु शुक्ल जी **द्वारा** संचालन का कार्य संपन्न हुआ।

25 दिसंबर को पंडित मदन मोहन मालवीय की जयंती मनाई गई, जिसमें कॉलेज के सभी शिक्षकों की भागीदारी रही और अपने अपने व्याख्यान दिए। 28 दिसंबर को विभाग में महिला सशक्तिकरण तथा स्त्री विमर्श पर निबंध तथा वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ0 मंशा देवी **द्वारा** किया गया, श्रेष्ठ निबंधों पर पुरस्कार वितरित किया गया।

10 जनवरी 2018 को युवा सप्ताह के अंतर्गत विवेकानंद के ऊपर डॉ0 शैलेंद्र कुमार राव **द्वारा** व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें जिसके मुख्य अतिथि के रुप में डॉ0 ओ0पी0 तिवारी 'रक्षा अध्ययन विभाग' का व्याख्यान हुआ। मुक्तिबोध जन्म शताब्दी के आधार पर **महाविद्यालय द्वारा** दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम दिन गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफेसर विमलेश मिश्र जी और दूसरे दिन प्राचार्य जी मुख्य वक्ता रहे। संचालन डॉ0 सुधांशु जी एवं डॉ0 राजेश मिश्र जी **द्वारा** किया गया। **महाविद्यालय** के सभी शिक्षकों **द्वारा** मुक्तिबोध की प्रासंगिकता एवं उनकी विचारधारा पर व्याख्यान **हुए।**

<u>हिन्दी विभाग की परिभाषाएं</u> (कमियॉ)

हिंदी विभाग में वर्तमान में कुल 4 शिक्षक कार्यरत हैं। जिसमे 2 **स्थायी** शिक्षक तथा दो स्ववित्तपोषित व्यवस्था के अंतर्गत हैं। एक **स्थायी** शिक्षक का पद रिक्त है, जिस पर अभी शासन **द्वारा** नियुक्ति नहीं हुई है।

(2) विभागीय पुस्तकालय है, किंतु लिपिक नहीं है, जिसके कारण पुस्तकालय की व्यवस्था की देखरेख का कार्य बाधित होता है। (3)विभाग में कंप्यूटर प्रिंटर की व्यवस्था नहीं है। फल स्वरुप पुस्तकों का विवरण मात्र रजिस्टर में ही अंकित है। (4) स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों

की शिक्षण व्यवस्था स्मार्ट कक्षा के अभाव में सुव्यवस्थित ढंग से नहीं हो पाती मात्र, व्याख्यान द्वारा अध्यापन कार्य हो पाता है। (5) विभागीय पत्र-पत्रिकाओं की उपलब्धता नहीं है, वाचनालय की व्यवस्था नहीं है,जहां बच्चे छात्र-छात्राएं खाली समय में अध्ययन कर सकें। (6) **महाविद्यालय** में स्नातकोत्तर हिंदी की कक्षाएं सत्र से चल रही हैं, किंतु **स्थायी** रूप से नियुक्त शिक्षकों को शोध निर्देशन करने की **विश्वविद्यालय द्वारा** अनुमति नहीं है।

हिन्दी विभाग की सम्भावनाएं

(1)महाविद्यालय द्वारा भविष्य में पत्रकारिता डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करने की योजना है।

(2) हिंदी के साथ-साथ पाली प्राकृत अपभ्रंश भाषाओं की जानकारी भी एक ऐच्छिक विषय के रूप में छात्र-छात्राओं को देने की योजना है।

(3)अंग्रेजी हिंदी अनुवाद के लिए एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाने का विचार है।

(4)सामान्य ज्ञान-सामान्य हिंदी और व्याकरण की कक्षाएं चलाने की योजना है, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्र-छात्राओं को अधिक से अधिक सफलता मिल सके।

(5)भविष्य में छात्रों में कविता तथा साहित्य लेखन के प्रति रुचि उत्पन्न करने के लिए समय-समय पर कवि सम्मेलन तथा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करने की योजना है।

चुनौतियॉ

(1) स्थायी शिक्षकों के तीन पद हिंदी विभाग में निर्धारित हैं, किंतु दो **स्थायी** शिक्षक वर्तमान में कार्य कर रहे हैं एक शिक्षक का पद रिक्त है, जिससे शिक्षण कार्य बाधित होता है।

(2) हिंदी विभाग में प्रोजेक्टर **की आवश्यकता** है, जिसके माध्यम से छात्र छात्राओं को नई-नई जानकारियां **दी** जा सके। कॉलेज से **परास्नातक करने के पश्चात्** छात्र-छात्रा**ओं को शोध कार्य करने की सुविधा कालेज स्तर पर नही है।** हम **शिक्षक शोध** निर्देशन कराने से वंचित हैं।

(4) स्ववित्तपोषित शिक्षकों से **एम0ए0** का मूल्यांकन कार्य नहीं कराया जाता है।

डॉ0 (श्रीमती) मंशा देवी द्वारा लिखित
एसोसिएट प्रोफेसर
(हिन्दी –विभाग)
सन्त विनोबा पी0जी0 कालेज, देवरिया।